



दवी
खसमसमाननयौशुआदियानयधुवित्रीकामत्रयथीहकमुविः
इसधुलनृययकि ॥ ॥ वसदवसवावृहववधमचिकः
यादशदलकैवैसंरुगवकुं २ वाकीसरुदलकमलमहासखवः
कहंकात्रयथीहवृकनाथुं ॥ दहमिजिनविशविदिनयौक
विनि. सर्वसुमकधनयानादवपौशयिथादिदसहमिसगक
थी

पुननिजिनज्ञानदायत्रीविप्रध्वत्री ॥ ॥ दध्यधयुकिह
विम्वजलनैवडायमाबहिनिशिशमवकवजुदवी २ ऊर्मज
समात्रुदुंयायसप्रथमगंकि. दर्मकिनासनमाकयुदा ॥ ॥
॥ गगनध्वनी ॥ ॥ गवदहनयधरज्ञानसाप्रय २ य
धसमृगप्रयधरसात्रिपूजिया ॥ ॥ ॥ ॥ कुमदवीवप्रियाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

निदवीहनिगवधुला २दहनचंडिकादवीधुमवधुगी ॥
॥ चउहंऊनकाननयचमूडाहनुना २स्वस्यवीजसमेवन
वनसंदिगम्यना ॥ ॐ ॥ नागलेववी ॥ ॐ ज्ञा ४ हं रुट् स्वा
हा ॥ अनेतनस्याहामकुउचान २पूजापूजकपूजलाव
नत्वस्यनूयवनीलावा ॥ ध्रु ॥ खखखाही २वल्लिपूनलघ २

घाटय २विघ्नहृत् २यंचामियात्रसयंचसानिन्नयंचस्रान
सर्वनीना ॥ ॥ सर्वजन्मनाकसहत्तप्रतपिभवात्मादा
पस्मान २जकजकिनीदुयिजुष्टुममन ०० मंवल्लिगु
कंयुन ॥ ॥ दानपति सर्वकार्यतत्वया सर्वस्रयसंय
तिसांकन २यरेवतरेवहंऊरथेपीवथजिष्यथमाष्टक

金

न२

卷之三

शुनामृन्मयं ॥ ५२ ॥ चन्द्रामृतमहाधिफलदायकं सर्व
 दिनव्यापिगृहसहजकलर्षी २ जगत्तमलक्ष्मिधिर्गुण्यः
 कनूनालावसंसारनामनवीनरुद्रयं ॥ ॥ वज्रयत्रमा
 नमय्यंगंधावर्षांशकं संघर्षाधितं येन पियूषं २ हृत्कान
 मरुयूष्यश्रगवद्भवजसंलुपिगविद्याककलर्षी ॥ ॥

घटमल्यकनसफनूयसाकजाकृष्टमंदाकिनीजलनूर्यं
 प्रगिति साधनचनदवगावकंज्ञानसत्वमानीयहृद्विज
 कलधी॥ ॥यायादिआचमनंदानपूयूनसर्वंसम
 याचकप्रवसितंवीमलकलसं२महावाशुडविरहय
 धाधिविरुनूर्यंसमयसत्वज्ञानसत्वकीरुमं॥

नकवर्ष॥८

॥नागनाठ॥नकवर्ष, विनिआयनसंदनिश्चूसांगद
 धारजुलनहनकीवन॥५२॥उमदवीवाननीमहा
 मामकीदवी२जगतहप्रभाहादिनमयनहसनाग॥
 ॥आगमबदपूनानहर्षीन२यागधर्मदिक्तागुनुउयव
 स॥ ॥यंनवर्षस्यननूयहूमउम२सयानहयागि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

नीमाप्यहं नृवर्हं नृवर्हं ॥ ॥ समगुद्वनदधीलगा
नधनिया २ हनयिनी वा कवजसुनहं च नृयी ॥ ॐ ॥
नागलेनवी ॥ नमहं नृका नृन नृयधन २ स्वष्टु विसह
उताधन ॥ ॐ ॥ ननाहं ननाहं २ ननाहं ननाहं ॥
हदायासिगनकागधन २ वजसुधन ॥ ॥

२ विवक्र ॥ १० ॥

धवनसुसंयुतदहधन २ सुननससाहियवदुमन ॥ ॥
मायादहनीनजंगु २ साहियकननसत्वमहं ॥ ॐ ॥
नागधुमनमालाधी ॥ विवक्रनविष्ठासिमलुलमाप्य
धिगिज्ञानदुसुनगिधना २ वजसुवाहाही आनीगनसम्य
ननानासिमसहाहला ॥ ॐ ॥ ननाहं ननाहं ननाहं ननाहं

॥ नीलवर्णचक्रवर्णपद्मविनयं वनना
आनन्दमूर्तिधरा २ विष्णुवर्णभूर्ध्वजकटामकूटधरा
हाताभ्रातृननसुसाहिता ॥ ॥ वक्रपद्मगजवर्मजम्
नुरवहागवीनना आनन्दमूर्तिधरा २ कर्णिकपालव
नसूयाभारिसूत्रवर्णनीलधरा व्यासवर्मकहिर्वरि

ता ॥ ॥ दिगं विदिग्गं काका धधदिउ मज कि नीदवी
सहजानन्दमुनि धनो रनमा मि र धी च द्रु संम्वन स
नगुनुवनरा आना धिमा ॥ ॥ ॥ नाग रा ॥ ॥ हा ज रु न
हा धिया विन स म्वन धन धि क वा नि वू ल ह धम र दु
मनान क म लियामुमान स वू ट क धम दिग म्व ना ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ नमन माद्वसम्वनलाया समल सँदलि मावृकाल
 २ रुमविवाहीनी वजवावाही रुंजाम हिया मानसा वा
 ॥ ॥ अलि गायन वद सहमयन कर्ण्य ग्रह व वि
 गं वात्मा रग गन नीला वर्णु वेधि न जा जम नू म लु लल
 वनी ना ॥ ॥ प्रियं धडु वा त हं शु दिं ग ल स म्ब न य

२
 ६
 ५
 ३
 २

यिसयिधु न्य ए काला २ रुम विवाहिनी वजवावाही रु
 अविनूदय मिजुंधा ला ॥ ॥ गत व नि लिला वजवा
 लिया उल स म्ब नू व न ल आत्रा (ध २ स म या आ न द रु
 लि ग ल म लु ल स म्ब न य वजवावाही ॥ ॥ ॥ ना ग क
 ॥ ॥ विरु शु वा य यि जा गि नी द रु क वा लि श्क म ल

शुद्धिनिहितज्ञाने ॥ १९४

लिंगकाकण्डुश्चद्विषंविदध्वनसमस्तसंवीना ॥
एतद्वदहनविष्णुमांससहकृष्णश्चकुरुत्तममूलालोयन
लायनरिष्यक ॥ ॥ द्वादशरजधालिवालेचउ
दनरनीलसंहावगगटापुंशनीमा ॥ ॥ नागनाम
द ॥ शुद्धनीनीहितज्ञानुनीलसमदहाश्चकलपिन

यनीलीयमवदना ॥ ॥ गन्नाहं गन्नाहं गन्नाहं गन्नाहं गन्नाहं
चक्रकाचलाया ॥ ॥ निविधितचनदूतिमाहितम
एश्याथारवर्धधानिप्रियुवदनाथा ॥ ॥ हानिह
नयक्राष्टुद्वयमानाश्मानविष्णुदूतिसकलवहन
॥ ॥ विविधिननत्वमोलिल्लुगदहाश्चकल

२५ दिना ॥ २३

विवांष्टि नव वरु लदायकं ॥ ॐ ॥ काग विलस ॥ ३ ॥
मात्र नयियाय वन दृष्टा नर वलं गृह दाम कं का सललि
ता ॥ ३ ॥ ध्यान दृष्टा नर वलं सललि २ नूय य निल
जन भात्र लीहता ॥ ॥ दिन कल मलुल मध्य गम
२ क नूला मृत् न स सव कल लीहता ॥ ॥ दग्धा जूलि

२५ दिना ॥ २४

महा हय वनिनी हंता २ दवा नू सल न न सिल न मिता
॥ ॥ मात्र नयियाय वन दृष्टा नर वलं गृह दाम कं का सललि
ता ॥ ३ ॥ ध्यान दृष्टा नर वलं सललि २ नूय य निल
जन भात्र लीहता ॥ ॥ दिन कल मलुल मध्य गम
२ क नूला मृत् न स सव कल लीहता ॥ ॥ दग्धा जूलि

विनि२

काला२ हाउंर मात आरुंर विर विन मयल न
लालायि। नं विन य। वि निन य ना॥ ॥ क कि
न वि य नूड नं ल सिल मा ला २ क वि र य द्वां र द न न द
ट क ॥ ॥ सिल न सिं धूल कं डल र ला २ क
वि क धूल मा म्या ल स य ला ल ॥ ॥ र न वि स न

म क ड वा रु लि दा ला २ थि म ड द वी प्र ॥ द न थि रु न
व वा या ॥ ॥ ना ग म ड थि ॥ व कि कू ल क वि ला
व क म य ल र वि न थि व नू ड न ल गिल मा ला २ थि ल
व कि व कि न वि वा र ॥ न वि र वि न ग ग क
धु नि ना या ॥ ॥ प्र र र ॥ थि रु न वं द मा न क

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ दशरथाय नमः ॥

1185-1186

नमो नमो कुरुते यो उववा एतं मृतमिति

सुखेनैव गन्तव्यं न दुःखेन न क्लेशेन न मृतेन ॥

卷之四

卷之四

॥ चक्षुःसमनश्चोऽगुदयुनीप्रभा २४

नयिअमाचक्षुजगीनचनिमा ॥ १०० ॥ नागमयदुःखी ॥

कमयत्यनदहिनकलिं २याचवनीषुवनदुःखमासासीद्य

दिशग ॥ १०१ ॥ दधीनाचविचकजटिकजजागिन

उरवीरिहवनययिस ॥

॥ कालमृग

नयंयित् २मागदयमाहकलिं २दिता ॥

समदधीनित्जनदवी २युचयाद्रदधीयुच

॥ शृष्टिसहानदवीकवनकदवी २माद्रमार्जदवीसव

मज्जननि ॥ १०२ ॥ नागसेनवी ॥ जयंजयंवाहलिमय

नस्यसास्कनी २यययदययसंहानपुत्व ॥ १०३ ॥

संमनं नूनं हा हे कामना यदि मान निव दानुव ॥
 जिम यन मि नंद ह हृत् २ जिन जन नि नू य व ज या गिनी ॥
 ॥ जयं जयं हा उ आ ह न दी स सा लि ना २ क न हि क या न र ख
 दोग धा नि ॥ ॥ जयं जयं नो बु ध्म धा न रि न २
 व न ड न न शि न मा ला ॥ ॥ जयं जयं ना ख ह २

संसा न २ प्र ल मा मि वा रु लि गू ह य वा रु लि ॥
 ॥ जोग क रू दि ॥ श्री मं रु ना थ व न म हा शि न वी ज या २
 उ हा स ख ज धा नि ना ग वा स द थ नू ॥ ॥ न मा नि २
 मं रु मा ला २ ग ग दि व न ज ग म गु नू ह व ल वा पि ना ॥
 ॥ गू ह क ध न स ह व न म गु नू ला या २ श्री ध र्म धा नू ह

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

न नमालमलुलनंरुला ॥ ॥ उगननाथ उगननिम
जननाया २ सर्व ॥ नु विमानयलिननिनंरुना ॥ ॥
॥ नागहंनयि ॥ गऊजिनउदनहा ॥ ॥ वधनियकमल
पुलिधजुहवा नि २ ५ मनुकनटिपूं ॥ ॥ नहयिधुनवाम
रवशंगकयालजुधना ॥ ॥ श्रीहिसम्बनलोया

चुलिधुमं गुली ॥ २ मानयि नवाययियालनमा
या २ सासहुरुवंगुमडासिद्धिना ॥ ॥ याधप्रम
दलवामहमहा ॥ ॥ वधनियउननधिलमाला २ न
लहनिगलाहितकनकारववउमयजुतिविकलाल
जुधना ॥ ॥ आलिहययाहंनववाययियावका

॥ २ ॥

लिनाडिविभूतमूडाश्विद्वदुलिगजहवदुऊडाश्वक
व्यापुवर्मयउमडा॥ ॥ हृदिसंवीरवीलव्वनना
यकविनिचकुमहावीमहंविनाशकनूराधुगभलविन
वीमव्वनरंऊयिसयानसंसावजुधना॥ ॥ ॥ ना
गनिवद॥ अययनिलंऊनजुहयअनूयमगगनकम

लंऊसाधनाशुन्याताविनासिननायथ्रीवियादवीप
नविदुसमयजादिता॥ ॥ नमातिनिलालमव
नीलरुलस्यरावहदुसुननसंप्रापिताशहऊचद
समनऊकुआसिनऊलऊचदुसमयव्यापिता॥ ॥
यमऊगमम्वनवधचित्तवकुवलिमनूमशुल्लहवनी

नोऽनिर्मलं न हृदयात् न च कथा विन भूति नि सिद्ध च
 न जन्म मय साधना ॥ ॥ आनन्द यन्मानन्द विन
 माभ्यस ह जावतु नानन्द मय समुवा २ ख न मावी न
 म्यन शुद्धि ल महासुख स ग न संयद व न प्रापि ना ॥
 ॥ हृदय काल चक्र श्री चक्र सम्य न जून रुका टि सि

२
 २
 २

द्वाया नंग का २ श्री हृदय अडिया न वल्लुगी निजाल धन
 परम महासुख जान ह ॥ २ ॥ नाग ले लि ल ॥ विषय
 विषय विनूय वल संजा रा ह ल विव लु लि ना लि क
 मल २ द ह यि जि न विम्वु य सि म न यि स न न व क जि नि
 आ ल स म य ० ५ म स य न ॥ ॥ न म मं श या वं ॥

कावचकुरुवज्रसम्बन्धविश्ववृषंश्ययिमइमसंजग
 समुद्रविनासहजआनंदमयस्मृतनृप॥ ॥ वज्रय
 येभामर्त्यवमननतननामसंतिजुद्धालयध्यानंरजग
 तइत्यनामनवाधिरुतदायकंजागधर्ममानुषावहि
 र्य॥ ॥ गुनवाक्छरुधनिर्याजुर्हयवटादुंविद्यम

ॐ
 नमो
 भगवते
 नमः
 ॥ ५ ॥

निमवृट्चरुलिउताहधनिर्यास्वउचक्रयाप्रसनि
 मयत्रमव्वनगुर्यरममानुषानाहहवनं॥ ॥
 स्वप्नमायासहसयनिरावनाबुद्धधर्मसंघसन्मग
 मिर्यंरगुनववलीलीलधनिर्यागभवंतिसुववज्रजम्
 रुममानुवद्वसवली॥ ॥ नागकुरदि॥ श्रीमंरना

थवदमहाविनवीजया २ वदुहामखर्भधनिनागया
 मदथनु॥ ७ ॥ नमामि २ श्रीमं रुक्मात्वा २ जगदी
 व्यरजगगुगुहवदयापिता॥ ॥ पृष्टकधन
 मरुपवमगुनलाया २ श्रीधर्मधुसुननयालमपु
 नलहृगा॥ ॥ जगत्ताथजगत्नीलजनलाया २

सर्वधामसुविष्णुवयलितनिर्वजना॥ ७ ॥ नागका
 माद॥ प्रहलीतहकावनाहवमनृति०००० नीलसम
 इतिदहा २ विष्णुसुसुततृष्टिकननवत्वमददका
 धधियं॥ ७ ॥ नमामि श्रीवपुवीनरुयापुत्रीसिन्धु
 वनं २ विष्णुनाथप्रिरवदयापितं वज्रविध्वननक

१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०

वनं॥ ॥ अनेक जानुहि नितिवनवीनं सव्यस्तु
 सुखनंदधनं वासन ईनी हृदिया मधुना रवा निगुण
 नयनकनकनं॥ ॥ नाना रवस्तु नाना नयनं कनि
 मय नाना रवि नवदने २ इत्या कला स्वगीय नवदने नि
 रवस्तु नाना रवा प्रवसुवीनं॥ ॥ बीना धीयति सर्वरथ

वनं॥ ॥ अनेक जानू सिद्धि हरि हर वनवीनं सव्यरु

सुखर्जदधानं वै सगर्भं नीहृदियाय धनं राखा विग्राह

नयथनद्वने॥

॥ नानाहवलाहान नोयुनं कलि

मयनाहपिगवदनं २५ द्वाकलात्तलीषमवदनं ३

रवदलायाप्रवसुवीव॥

॥ श्रीनाथीयतिसर्वरूप

金剛經

दिनयादं सर्वसिद्धिमाप्नुयान् ॥ २० ॥ नागकर्ण

दि॥ श्रीहवऊनेनात्मादवीरिहवननाथश्यवाऊन

व्यापितायैववर्द्धता ॥ ५॥ तन्नामिदं श्वयं श्रुयं

॥ श्रीगुरुभक्त्यागुप्तान्वयजयागमनाउच्यते ॥

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

पूर्वदीर्गादि न हरेव नीलवर्ण २ दहिनया प्रध्वनिवाम
विदधमा ॥ ॥ घमनिवो निजा गिनिदवी २ गम
किलिवावज हंका वसं वजा ॥ ॐ ॥ वागनामक नि ॥
हं दहधनु संसा वन न २ व ३ आ लि गल जा गध न ॥ ध
॥ हवज पु म न ना हं न ना हं न ना न न हं ॥ ॥ स न न

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

न व श्री न व न ॥ व न २ व न म वि ल द न द ह ध न ॥ ॥
ग व यि म न २ विस व गु ल ह द वि २ न म ह २ श्री ह व
उ म गु ल प्र व यि ॥ ॐ ॥ वा ग ध ना श्री ॥ सर्वा ज्ञा ना
म हा म य ला या व ३ आ न न द ह ध वि २ हि ह व न र ल य
म हा म य ला या व ३ म य ३ इ यि म नि या ॥ ध ॥ न य व

इदं ज्ञानं २ त्वं नृहि वंदनीयं नृत्तं ॥
इदं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं ॥
॥ विषय विषय मय दृष्ट्या रंग मन ॥
विषय विषय मय दृष्ट्या रंग मन ॥
पदमा विंदु नृत्तं ॥ २ गत नृत्तं नृत्तं नृत्तं ॥

॥ जाग नृत्तं ॥ सक नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं ॥
॥ सत्य नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं ॥ ॥ दक्षिण नृत्तं नृत्तं ॥
॥ नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं ॥
॥ नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं ॥
॥ नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं ॥

नकाहं श्रुहं जमभुहं मृत्युविप्रसिद्धिबहं ॥ १० ॥
नगकासा ॥ ॥ दिजसमवखसमदहासमनसं वा
प्रिंतामनननयवा २ वादसहजवदवद ॥ ॥ वादसव
उननकनयं ॥ ॥ ॥ नमामि श्रीविष्णुं ॥ ॥ नमामि
॥ ॥ वरुविंशतियी १० ॥ ॥

मुद्रिसंवीनवीनव्वना २ वरुवदयनिहृमादवी संपु
टपुकासितसिना ॥ ॥ प्रभुसंपुटजालिकासी
पुसकाकाभुतिमंदला २ वादवादवी ३ वरुवावान
मामि श्रीविष्णुसमवा ॥ ॥ सतगुवुवनरदवी
लगनध्वजतनविगीनश्रीवैलिन २ दानननित्त

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मनाहर्षसशमलुलजावाधिता ॥ ॐ ॥ वागमृग
नमाना ॥ दिहज ॥ कसूरवनकवर्धनी ॥ २ मवृटक
दिगम्बरा ॥ ५ ॥ कनाह कनाह कनाह कनाह कनाह ॥ ३
॥ वामकनाटकदहिनकलि ॥ २ हा जलनक्षसुसाहि
ता ॥ ॥ सूर्यमलुलमाप्यतानुवममिधमा २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वज्रमलुलसुसाहिता ॥ ॥ सगुनवचन ॥ ५ सी
वगतधनीया ॥ २ वज्रवाहिनं दुर्ध्वलिखत्रिया ॥ ३ ॥
नागमानजा ॥ कजीधादिवतामिचलुलिदवी ॥ २ तिषी
नीयां पिनी ॥ कसूरकडलाकिनी ॥ ५ ॥ नमामिष्टी ॥
गाम्बनयिष्टन ॥ ५ विद्या ॥ २ विनिनयदवी ॥ दिहव

२॥ दानपतिज्जमानकासुमंडमहानगनगामुकावद्वलप
उमरुवाज्यामधपूरुकावापावियाइलो ॥१०॥ ॐ ॥ ॐ ॥

महती
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥